आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
बकरी पालन

स्वयं सहायता समूह का नाम	:	जय संतोषी माँ
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	:	डाहड
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	:	झंडुता
डीएमयू/वन मंडल का नाम	:	बिलासपुर
एफसीसीयू / सर्कल	:	बिलासपुर
हि. प्र. व .पा .त . प्र.और आ. सु. प. जाईका के द्वारा प्रायोजित	द्वारा तैयार:- डीएमयू बिलासपुर, एफटीयू झंडुताऔर जय संतोषी माँस्वयं सहायतासमूह	

विषयसूची

विवरण	पृष्ठ
परिचय	3-4
कार्यकारी सारांश	4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-7
गांव का भौगोलिक विवरण	7
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।	8
उत्पादन प्रक्रियाएं।	8
उत्पादन योजना का विवरण	9
विपणन / बिक्री का विवरण	9-10
सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	10
स्वोट अनालिसिस	10
संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय।	10-11
परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण	11
अर्थशास्त्र का सारांश	12
लाभ लागत विश्लेषण	13
ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना	13
टिपणी	13
परियोजना की कुल लागत	14
अनुलग्नक	15-16

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिकभूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालयके ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले जिनमे से बिलासपुर भी एक जिला है ।

यह जिला पंजाबकी सीमा के साथ में स्थित है और अपने पर्यटन स्थलों औरहिमालयी यात्राओं के लिए प्रसिद्ध है, बिलासपुर जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते कुल्लू शिमला, मंडीसोलन, हमीरपुर और कांगड़ा जिलों को जोड़ते है .यह जिला प्राचीन बस्तियों, पारंपरिक खेती और आम की बागवानी के किये प्रसिद्ध है ,सतलुज नदी मुख्य जीवन रेखा हैं।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

डाहडवन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है।इनमें से एक समूह का नाम **जय संतोषी माँ**है।

समूह ने सर्व सहमति से प्रस्ताव पारित कर के बकरी पालन आजीविका वर्धन गतिविधि को अपनाने की इच्छा प्रकट की है तथा प्रस्ताव की प्रतिलिपि वन मंडल अधिकारी एवं मंडलीय प्रबंधन इकाई अधिकारी बिलासपुर को भेजाहै । समूह की मांग पर उन्हें बकरी पालन गतिविधि की व्यापार योजना बनाने में श्री वेद प्रकाश पठानिया (सेवानिवृत्त हि. प्र. व. से.)के मार्ग दर्शन में श्री रतन लाल शर्मा सेवानिवृत्त वनपरिक्षेत्र अधिकारी, विषय विशेषज्ञ,अनीता शर्मा कोऑर्डिनेटर झंडूत्ता परिक्षेत्र, श्री जगत पाल वन रक्षक,डाहड बीट और श्री सुशील

कुमार , वनखंड अधिकारी, वन खंड समोह के निरंतर पर्यवेक्षणऔर मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा ।

कार्यकारी सारांश

डाहड**ग्रामीण वन विकास समिति:-**

डाहड **ग्रामीण वन विकास समिति**, डाहडराजस्व मुहाल में व्यवस्थित है ।इस ग्रामीण वनविकास समिति का गठन ग्राम पंचायत, डाहडके वार्ड न .2,3,4 में किया गया है,जो बिलासपुर वन मण्डल की झंडूत्ता रेंज समोह वन खंड डाहड बीट के अंतर्गत आता है।यह हिमाचल प्रदेश में बिलासपुर जिले के झंडूत्ताब्लॉक में स्थित है । गाँव का मुख्य देवता गुगा जाहर पीर है

वीएफडीएस की महत्वपूर्ण विशेषताएं:-

परिवारों की संख्या	128
बीपीएल परिवार	104 =33.12 %
कुल जनसंख्या	1315
कुल मवेशी	652

जय संतोषी माँस्वयं सहायतासमूहका विवरण

जय संतोषी माँस्वयं सहायतासमूहका गठन 09 -05-2019में डाहड विकास समिति के अन्तर्गत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं।

जय संतोषी माँस्वयं सहायतासमूहमें15महिलाए है जिनमे से 13 महिलाए ही आजीविका वर्धन गतिविधि करना चाहती है । सभी महिलाएं कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग के सदस्य हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने बकरी पालन करने का फैसला किया। जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में मासिक योगदान 100/- रुपये प्रति सदस्य प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार

फोटो के साथ स्वयं सहायता समुह सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	श्रीमती प्रकाशो देवी	प्रधान	अनुसूचित	44	8th	9015233 70
2.	श्रीमती रज्जो देवी	सचिव	SC	38	12th	7807298 71
3.	श्रीमती लीना देवी	सदस्य	SC	38	12th	7876375 88
4.	श्रीमती रीना देवी	सदस्य	SC	32	12th	8894465 65
5.	श्रीमती मानो देवी	सदस्य	SC	47	5th	7018114 297
6.	श्रीमती कमला देवी	सदस्य	SC	50	5th	8219034 03
7.	श्रीमती सलोचना देवी	सदस्य	SC	34	8th	9817953 21
8.	श्रीमती उपासना देवी	सदस्य	SC	28	10th	9781078 9
9.	श्रीमती कान्ता देवी	सदस्य	SC	28	12th	8219976 92
10.	श्रीमती रतनी देवी	सदस्य	SC	51	5th	7807112 39
11.	श्रीमती सुनीता देवी	सदस्य	SC	47	8th	9625033 53
12.	श्री मती सीता देवी	सदस्य	SC	50	8th	9625027 32
13.	श्रीमती सावित्री देवी	सदस्य	SC	66	8th	94593-313
14.						
15.						
16.						
17.						
18.						

5

स्वँय सहायता समूह के सदस्यों के फोटो के साथ विवरण

प्रकाशो देवी
(प्रधान)

रजनो देवी
(सचिव)

वीना देवी (सदस्य)

वीना देवी (सदस्य)

पानो देवी (सदस्य)

कमला देवी (सदस्य)

सलोचना देवी
(सदस्य)

उपासना देवी
(सदस्य)

सावित्री देवी (सदस्य)

रत्नी देवी
(सदस्य)

सुनीता देवी
(सदस्य)

सीता देवी
(सदस्य)

कांता देवी (सदस्य)

सत्यम समान रूचि समूह"ढिंगू"

स्वयं सहायतासमूह का नाम	::	**जय संतोषी माँ**
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
ग्रामीण वन विकास समिति का नाम	::	**डाहडग्रामीण वन विकास समिति**
फील्ड टेक्निकल यूनिट का नाम	:	झंडूत्ता
डीएमयू/वन मंडल का नाम	::	बिलासपुर
गांव	::	**" डाहड"**
विकासखंड	::	झंडूत्ता
ज़िला	::	बिलासपुर
स्वयं सहायता समूह में सदस्यों की कुल संख्या	::	15
गठन की तिथि	::	09/05/2019
बैंक का नाम और विवरण	::	HP Gramin Bank Dahad
बैंक खाता संख्या	::	88911300000020,IFSC PUNBOHPGB04
एसएचजी/मासिक बचत	::	रु.100/- प्रति महिला
कुल बचत	::	19414/-
कुल अंतर-ऋण	::	0
नकद ऋण सीमा	::	0
चुकौती स्थिति		0

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूरी	:	35किमी
मुख्य मार्ग से दूरी	: :	मुख्य सड़क से 500 मीटर तक लगभग
स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी	:	समोह 13 कि.मी.झंडूत्ता 12,कि.मी., बरठीं15कि.मी.घुमारवीं 20 कि.मी.बिलासपुर 35कि.मी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम और दूरी	: :	समोह 13 कि.मी.झंडूत्ता 12,कि.मी., बरठीं15कि.मी.घुमारवीं 20 कि.मी.बिलासपुर 35कि.मी .
प्रमुख शहरों के नाम जहांउत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	: :	सथानीयव्यापारिओं द्वारा गांव से ही खरीद लिया जायेगा।
पिछली और अग्रिम कड़ियों की स्थिति	: :	पिछलीकड़ी प्रशिक्षण, (स्थानीय पशु पालन विभाग) और अग्रिम कड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	बकरी पालन
उत्पाद पहचान की विधि	::	यद्यपि पूरे समूह के सदस्य मौसमी सब्जियों की फसल उगाते हैं। क्यूंकि उनकी भूमि जोत बहुत छोटी है, उत्पादन संतृप्ति बिंदु पर पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने तथा कृषि से अपनी कृषि उत्पादकता में वृद्धि के लिए बकरी पालन का व्यवसाय चुना जिससे समूह की आय के साथ साथ दूध की आवश्यकता भी पूरी होगी बाजार कड़ियाँ पहले से ही मौजूद हैं। बकरी खरीदने के लिए व्यापारी गाँव में ही उपलब्ध है अतः इसके लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा ।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन प्रक्रियाएं

स्थानीय पशु पालन विभाग तथा स्थानीय लोगों की बकरी पालन के बारे में जाईका परियोजना द्वारा जानकारी साँझा की जाएगी जिससे लोगों में सिरोहीनस्ल को पालने के बारे में जागरूकता होगी। जो स्पॉट प्रदर्शन के साथ प्रशिक्षण की पूरी लागत JICA परियोजना द्वारा वहन की जाएगी है।

समूह को शुरू में कुल 26 बकरियां और एक बकरा दिया जाएगा I बकरियों की आयु 6-8 माह, जिनका वजन लगभग 10-12 किलोग्राम तथा बकरा 9-12 महीने आयुवर्ग में जिसका वजन 17-20किलोग्राम हो । यह बकरा इस समूह की बकरियों की नस्ल सुधार के लिए दिया गया है जो समूह में प्रत्येक सदस्य के पास एक एक महिना बारी बारी रहेगा। पूरे समूह का पशुधन समूह की सम्पत्ति होगी तथा बिक्री के पश्चात् धन समूह के सदस्यों द्वारा बिक्री के लिए प्रस्तुत किये गये पशुधन के अनुसार वितरित होगा । पशुधन की अकस्मात् या दुर्घटना की स्थिति में मृत पशु का समूह के निर्णय द्वारा निपटान किया जायेगा। समय समय पर समूह द्वारा बेचने योग्य पशुधन सम्बंधित सदस्य की सहमती से समान रूचि समूह द्वारा एकल एवं संयुक्त रूप में बेचा जायेगा ।इसी तरह समूह में बकरी दूध का निपटान भी समूह द्वारा मूल्यवर्धन करके (जैसे कि पैकेजिंगइत्यादि) किया जायेगा ।

उत्पादन योजना का विवरण:

उत्पादन चक्र (6मास)	::	बिलासपुर जिले में बकरी पालन पुरे वर्ष की जाती है। समूह को शुरू में कुल 26बकरियां दी जाएंगी, जिनमे एक बकरा होगा, बकरियों की आयु 6-8 माह, जिनका वजन लगभग 10-12 किलोग्राम तथा बकरा 9-12 महीने आयुवर्ग में जिसका वजन 17-20 किलोग्राम हो । यह बकरा इस समूह की बकरियों की नस्ल सुधार के लिए दिया गया है जो समूह में प्रत्येक सदस्य के पास एक एक महिना बारी बारी रहेगा। अगले 6 मास के बाद पशुधन में वृद्धि प्रजनन द्वारा होगी जिसमे की सुरोही नस्ल की बकरियां आमतोर पर एक से दो बच्चे देती है । जिससे उस समूह में बकरियों की संख्या दो से अढ़ाई गुना बढ़ेगी। जिन्हें अगले तीन महीने में समूह द्वारा निपटान किया जाएगा ताकि अगली बकरियों की पैदावार सुनिश्चित की जाए ।
जनशक्ति की आवश्यकता (संख्या)	::	प्रारंभ में पूरा समूह रैक लगाने/निर्माण करने, कमरे को साफ करने और पशुधन लाने एवं उनका रखरखाव आदि के लिए काम करेंगे। अगले 180-365दिनों के लिए सभी व्यक्ति 1-2घंटे घास कटाई, चराई एवं सफाई के लिए काम करेंगे । विपणन के घंटे शामिल नहीं हैं क्योंकि बाजार कड़ियाँ पहले से ही मौजूद हैं। बकरी खरीदने के लिए व्यापारी गाँव में ही उपलब्ध है अतः इसके लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा ।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय पशु पालन विभाग एवं अन्य बाह्य संस्थान
अन्य का स्रोत साधन।	::	-उपरोक्त-

विपणन / बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान	::	स्थानीय पशु व्यापारी एवंबिलासपुर, भगेर, घुमारवीं ,झंडूत्ता,समोह,बरठीं क्न्दरौर
इकाई से दूरी	::	समोह 13 कि.मी.झंडूत्ता 12,कि.मी., बरठीं15कि.मी.घुमारवीं 20 कि.मी.बिलासपुर 35कि.मी.
बाजार में उत्पाद की मांग		बकरी मास की मांग साल भर रहती है।
बाजार की पहचान की प्रक्रिया	::	उपरोक्त सभी कस्बे में मांस बेचने का बाजार सुस्थापित है ।
बाजार पर मौसम का प्रभाव।	::	माँस पूरे वर्ष उच्च मांग में रहता हैं। हालांकि, सर्दियों के दौरान इसकी मांग अधिक बढ़ जाती है।
उत्पाद के संभावित खरीदार।	::	संभावित बाजार, बकरी खरीदने के लिए व्यापारी गाँव में ही उपलब्ध है ।
क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता।	::	सभी नागरिक / परिवार।
उत्पाद का विपणन तंत्र।	::	बाजार कड़ियाँ पहले से ही मौजूद हैं। बकरी खरीदने के लिए व्यापारी गाँव में ही उपलब्ध है अतः इसके लिए अतिरिक्त समय और पैसा खर्च नहीं करना पड़ेगा ।
उत्पाद की मार्केटिंग रणनीति।	::	
उत्पाद नारा	::	सिरोही बकरी

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

सभी सदस्य प्रशिक्षण लेने के बाद स्वयम को दैनिक काम के संचालन, विपणन और विभाग तथा ग्रामीण वन विकास समिति के साथ जुड़ाव रखते हुए आपस मे श्रम विभाजन करेंगे।

SWOT विश्लेषण

विवरण / आइटम	**:**	**विवरण**
ताकत	::	समूह के सभी सदस्य समान विचारधारा वाले, और पहले से ही बकरी पालन करते है एसएचजी वित्तीय सहायता के लिए जाईका वानिकी परियोजना द्वारा प्रशिक्षण और एक्सपोजर का आयोजन किया जाएगा।
दुर्बलता	::	नया स्वयं सहायता समूह/समान रूचि समूह
मौका	::	डिमांड ज्यादा है और रिटर्न ज्यादा।
खतरा	::	समूह में आंतरिक झगड़े, पारदर्शिता की कमी और बड़े खतरे वहन क्षमता की कमी

संभावित खतरों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय

संभावित जोखिम	**:**	**उपाय करने के लिए कम करने के लिए उन्हें।**
1. एक ही समय मे हानिकारक संक्रमण पुरे बकरी समूह को नस्ट कर सकता है 2. बकरी शालिकामें बैठने के स्थान का निर्माण एवं रखरखाव	: :	सबसे पहले बकरी शालिका में बैठने के स्थान का निर्माण और उसकी साफ़ सफाई का ध्यान रखें । पशु रखने से पहले फॉर्मेलिन/फिनायल के घोल से कमरे में स्प्रे करें कमरे में प्रवेश कर रहा है। फिनायलका नियमित स्प्रे करें। पेट के कीड़ों की दवाई नियमित पिलायें
समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता	: :	कलह को मिटाने के लिए कारण को प्रारंभिक चरण में निपटाया जायेगा। समूह के सभी सदस्यों के लिए समान अनावरण, समान लाभ का बंटवारा, हर सदस्य को आदर और सम्मान देने की आवश्यकता।
बाज़ार		बाजार हमेशा उपलब्ध है
उत्पादन	:	बाजार के हिसाब से धीरे-धीरे उत्पादन को बढ़ाया जाएगा

परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण ।

परियोजना की लागत	**संख्या**	**मूल्य**	**राशि रुमें**
(अ)पूंजी लागत			
बाँस के शैड/ऊँचे बैठने की जगह का निर्माण	13	2000	26000
9-12 महीने आयुवर्ग का बकरा	1	10000	10000
6-8 माह आयुवर्ग, वजन लगभग 10-12 किलोग्राम की बकरियां	26	7000	182,000
ए कुल पूंजी लागत			**2,18,000**
(ब)आवर्ती लागत			
संतुलित राशन, गेहूं का भूसा, हरा चारा एवं अन्य व्यय22.5 क्विंटल x27 = 607 .5 qtl.	607 .5 qtl.	550/-प्रति qtl	3,34, 125/-
कुल आवर्ती लागत			3,34, 125/-
कुल परियोजना लागत (अ +ब)=2,18,000 + 3,34 125/-			**5,52,125/-**

आय और व्यय का विश्लेषण (वार्षिक):

विवरण	मात्रा	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत		3,34, 125/-
पशु वृद्धि	40	-------
पशु वृद्धि का विक्रय मूल्य	1	7000/-
आय सृजन (40x7000)	--	280,000 /-
खाद की बिक्री	60क्विंटल	6000 /-
शुद्धलाभ(280000+6000+218000)-334125/=169875/-		-48125+मूल बकरियों के वजन एवं मूल्य में वृद्धि (**2,18,000**)= 169875/-
शुद्ध लाभ का वितरण		• लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। • IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् आवश्यकता:

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान 75%	एसएचजी योगदान
कुल पूंजी लागत	**2,18,000**	163500/-	54500/-
कुल आवर्ती लागत	3,34,125/-	0	334125/-
प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	97500/-	97500/-	0
कुल	**649625/-**	**2,61,000/-**	**388625/-**

ध्यान दें-

- **पूंजीगत लागत -** पूंजीगत लागत का 75%परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा शेष 25% स्वयं सहायता समुह /सीआईजी द्वारा वहन किया जायेगा
- **आवर्ती लागत -** स्वयं सहायता समुह /सीआईजी द्वारा वहन किया जायेगा
- **प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -** परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित् के स्रोत:

परियोजना का समर्थन	• पूंजीगत लागत का 75% जो परियोजना द्वारा दिया जायेगा तथा 25% जो SHG/CIG द्वारा जमा करवाया जायेगा उसे बकरियों की खरीद व बकरियों के ऊँचे बैठने की जगह बनाने के लिए उपयोग किया जाएगा • SHG/CIG के बैंक खाते में 1 लाख रुपये परिक्रमी निधि के रूप में I जमा करवाया जाएगा जो परियोजना द्वारा पहले VFDS के खाते में डाला जायेगा। • प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत।	• संबंधितडीएमयू/एफसीसीयू द्वारा सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करतेहुए बकरियों की खरीद की जायेगी I • परिक्रमी निधि पहले DMU द्वारा VFDS के खाते में डाली जायेगी ।तदोपरान्त SHG की मांग पर VFDS इस रकम को उसे हस्तान्त्रित करेगी प्रशिक्षण/क्षमतानिर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जायेगी

लागत लाभ विश्लेषण:

= आय+वर्तमान मूल्य/ आवर्ती लागत+ पूंजी लागत

=286000+218000/334125+218000

514000/552125

= 0.93जो टिकाऊ है।

ब्रेक-ईवन पॉइंट की गणना

= पूंजीगत व्यय/विक्रय मूल्य -उत्पादन की लागत
= 218000/ (286000-83531)

=218000/199469

= 1.09

इस प्रक्रिया में पहली बार नए पैदा हुए बच्चे बेचने के बाद ब्रेक ईवन प्राप्त किया जाएगा ।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- एसएचजी को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- समूह का आकार
- निधि प्रबंधन
- निवेश
- आय उपार्जन
- उत्पाद की गुणवत्ता

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 218000/-

आवर्ती लागत = 334125/-

बकरी पालन के लिए कुल =552125/-/-

क्रम संख्या	**व्यवसाय योजना**	**पूंजीगत लागत**	**आवर्ती लागत**	**परियोजना का हिस्सा**	**लाभार्थीअंशदान**	**कुल लागत**
1.	**बकरी पालन**	218000	334125	163500	388625	552125
2.	**प्रशीक्षण खर्च**	**0**	**0**	**97500**	**0**	**97500**
	कुल	**218000**	**334125**	**261000**	**388625**	**649625**

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (बकरी पालन जय सन्तोषी स्वयं सहायता समूह) द्वारा चुना गया।
सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	श्री मती प्रकाशो देवी	प्रधान	अनुसूचित	५५	Parkash Devi
2.	श्री मती रज्जो देवी	सचिव	S.C	38	Rajjo Devi
3.	श्री मती वीना देवी	सदस्य	S.C	38	Veena Devi
4.	श्री मती रीना देवी	सदस्य	S.C	32	Reena Devi
5.	श्री मती पानो देवी	सदस्य	S.C	47	पानो देवी
6.	श्री मती कमला देवी	सदस्य	S.C	50	कमला देवी
7.	श्री मती सलोचना देवी	सदस्य	S.C	34	सलोचना देवी
8.	श्री मती उपासना देवी	सदस्य	S.C	28	उपासना देवी
9.	श्री मती कान्ता देवी	सदस्य	S.C	28	Kanta Devi
10.	श्री मती रतनी देवी	सदस्य	S.C	51	रतनी देवी
11.	श्री मती सुनीता देवी	सदस्य	S.C	47	सुनीता देवी
12.	श्री मती सीता देवी	सदस्य	S.C	50	सीता देवी
13.	श्री मती सावित्री देवी	सदस्य	SC	66	सावित्री देवी
14.					
15.					
16.					

जय संतोषी माँ (समूह फोटो)

हस्ताक्षर Rajjo Devi
सचिव स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर Parkasho Devi
प्रधान स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर
सचिव, वन ग्रामीण विकास समिति

हस्ताक्षर
प्रधान, वन ग्रामीण विकास समिति

हस्ताक्षर
वन रक्षक

हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर
वन परिक्षेत्र अधिकारी

डीएमयू द्वारा